>

Title : Need to provide funds for flood-prone districts of Eastern Uttar Pradesh under Accelerated Irrigation Benefit Programme.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): उत्तर प्रदेश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 240.93 लाख हेक्टेयर है। प्रदेश का लगभग 73.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित है जो देश में बाढ़ प्रभावित 346.256 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लगभग 21 प्रतिशत है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के सापेक्ष 58.72 लाख हेक्टेयर को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। प्रदेश में बहने वाली नदियों से वर्षाकाल के समय बाढ़ से व्यापक जन-धन की हानि होती है। उत्तर प्रदेश में बाढ़ से लगभग 36.89 हेक्टेयर क्षेत्रफल औसतन प्रतिवर्ष प्रभावित होता है तथा औसतन लगभग 432.20 करोड़ रूपए की फसल, पशु एवं जन की हानि प्रतिवर्ष होती है। उत्तर प्रदेश में दसवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 18.29 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल रूपये 910.65 करोड़ खर्च करके सुरक्षित किया जा चुका था। 11वीं पंचवर्षीय योजना में मार्च 2010 तक कुल 20.07 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षित किया जा सका है। अभी भी लगभग 38.65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षित नहीं किया जा सका है।

उत्तर प्रदेश का पूर्वी क्षेत्र अधिकांशतः बाढ़ग्रस्त है, जिसमें जनपद बलिया, देवरिया, बस्ती, गोंडा, आजमगढ़, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, बहराईच, महराजगंज, फैजाबाद, गाजीपुर, मऊ, संतकबीरनगर, वाराणसी, इलाहाबाद एवं बाराबंकी के अधिकतर क्षेत्र बाढ़ग्रस्त रहते हैं। अतः डी.पी.ए.पी की भांति बाढ़गस्त क्षेत्रों हेतु सिंचाई परियोजनाओं में केन्द्र सरकार द्वारा ए.आई.बी.पी. के अंतर्गत 90 प्रतिशत केन्द्रीय अनुदान अनुमन्य किया जाये।